युवा प्रभाग - दिव्य दर्पण ग्रुप

दिसम्बर**, 2024** मास के पुरुषार्थ की पॉइंट्स

दिसम्बर मास का चार्ट:
लक्ष्य – पवित्रता की रॉयल्टी

**ब्राह्मण जीवन की रॉयल्टी है ही प्युरिटी.** प्युरिटी की वृत्ति है - शुभ भावना, शुभ कामना। कोई कैसा भी हो लेकिन पवित्र वृत्ति अर्थात् शुभ भावना, शुभ कामना और पवित्र दृष्टि अर्थात् सदा हर एक को आत्मिक रूप में देखना वा फरिश्ता रूप में देखना। तो वृत्ति, दृष्टि और तीसरा है कृति अर्थात् कर्म तो कर्म में भी सदा हर आत्मा को सुख देना और सुख लेना। यह है प्युरिटी की निशानी। वृत्ति, दृष्टि और कृति तीनों में यह धारणा हो। कोई क्या भी करता है, दु:ख भी देता है, इन्सल्ट भी करता है, लेकिन हमारा कर्तव्य क्या है? आप मास्टर ब्रह्मा अर्थात् ब्राह्मण आत्माओं को क्या करना है? कोई दु:ख दे तो आप क्या करेंगे? दु:ख देंगे? नहीं देंगे? बहुत दु:ख दे तो? बहुत गाली दे, बहुत इनसल्ट करे, तो थोड़ा तो फील करेंगे या नहीं? यह सोचो मेरा कर्तव्य क्या है! उसका कर्तव्य देख अपना कर्तव्य नहीं भूलो। वह गाली दे रहा है, आप सहनशील देवी, सहनशील देव बन जाओ। आपकी सहनशीलता से गाली देने वाले भी आपको गले लगायेंगे। सहनशीलता में इतनी शक्ति है, लेकिन थोड़ा समय सहन करना पड़ता है। तो सहनशीलता के देव वा देवियां हो ना? हो? सदा यही स्मृति रखो - मैं सहनशील का देवता हूँ, मैं सहनशीलता की देवी हूँ। तो देवता अर्थात् देने वाला दाता, कोई गाली देता है, रिस्पेक्ट नहीं करता है तो किचड़ा है ना कि अच्छी चीज़ है? तो आप लेते क्यों हो? किचड़ा लिया जाता है क्या? कोई आपको किचड़ा दे तो आप लेगें? नहीं लेंगे ना। तो रिस्पेक्ट नहीं करता, इन्सल्ट करता, गाली देता, आपको डिस्टर्ब करता, तो यह क्या है? अच्छी चीज़ें हैं फिर आप लेते क्यों हो? थोड़ा-थोड़ा तो ले लेते हो। तो अभी लेना नहीं। लेना अर्थात् मन में धारण करना, फील करना। तो अपने अनादिकाल, आदिकाल, मध्यकाल, संगम काल, सारे कल्प के प्युरिटी की रॉयल्टी, पर्सनाल्टी याद करो। कोई क्या भी करे आपकी पर्सनाल्टी को कोई छीन नहीं सकता।

तो आईये, हम प्युरिटी की रॉयल्टी को धारण करें और बाबा को अपने चलन और चेहरे से प्रत्यक्ष करें.

| सप्ताह | दिव्य दर्पण का पुरूषार्थ |
|---|---|
| पहला | पवित्र वृत्ति |
| दूसरा | पवित्र दृष्टि |
| तीसरा | पवित्र कृति |
| चौथा | पवित्र व्यवहार |

हर सप्ताह का जो लक्ष्य दिया है उसका अभ्यास एवं चिंतन करना है. उस पर कम से कम 10 लाइन्स में अनुभव लिखना है। रोज रात को चेक करना है कि हमने कितना % पवित्रता की रॉयल्टी धारण की है।

❖ विशेष Activity: मास के हर रविवार को सभी युवा एवं दिव्य दर्पण चार्ट भरने वाले भाई-बहनों का वर्कशॉप रखें. जिसमें ग्रुप बनाकर उन्हें निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार विमर्श कराएं: (एक रविवार का सेम्पल)

1. पवित्रता की रॉयल्टी अर्थात क्या?
2. पवित्रता की रॉयल्टी की विधि क्या है?
3. पवित्रता की रॉयल्टी से क्या फ़ायदे होते हैं?
4. Action plan बनाएं।

❖ फ्रेम बुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिंदु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखे:

1. गुड मॉर्निंग – 3.30 2. अमृतवेला–3.30 से 4.45 3. व्यायाम/पैदल- हाँजी
4. ट्रैफिक कंट्रोल - 5 5. मुरली क्लास-क्लास में सुनी 6. अव्यक्त मुरली पढ़ी-हाँजी
7. नुमाशाम का योग-हाँजी 8. स्वमान की स्मृति- बहुत अच्छी 9. पवित्रता की रॉयल्टी - 80%
10. गुड नाईट - रात्रि – 10.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बांधेंगे:
1. सदा वृत्ति में सर्व के लिए शुभभावना और शुभकामना रखेंगे।
2. सदा आत्मिक दृष्टि रखेंगे और कर्म से सदा सुख देंगे और सुख लेंगे।

❖ अभ्यास: हर घंटे एक मिनट के लिए पवित्रता के सागर से पवित्रता की किरणें लेकर पूरे विश्व में पवित्रता की किरणें फैलानी हैं।

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिंतन कर 10 पॉइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरुर लिखें।

| सप्ताह | स्वमान |
|---|---|
| पहला | मैं आत्मा परम पवित्र हूँ। |
| दूसरा | मैं आत्मा चमकता हुआ सितारा हूँ। |
| तीसरा | मैं आत्मा मास्टर ब्रह्मा हूँ। |
| चौथा | मैं आत्मा सर्व स्नेही हूँ। |

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com Website: www.bkyouth.org